26/08/22

पत्रावली पेश हुई। वादीगण वकील अनु। वादीगण वकील लम्बे समय से अनु. चल रहे। वादीगण वकील एवं वादीगण को न्यायालय समय में रुक-रुक कर तीन बार आवाज लगाई गई। न तो वादीगण वकील एवं वादीगण उप० हुआ। अतः उक्त वाद को अदम पैरवी। अदम हाजरी में खारिज की जाती है। पत्रावली फैसल [illegible] दफ्तर हो। संख्या से कम हो।

Signature Not Verified
Digitally signed by Ramji Bhai Kalbi
Date: 2022.08.29 10:38:30 IST
Reason: SelfAttested